

12. बाघ आया उस रात

सोचिए-बोलिए



प्रश्न:

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. लड़की क्या सपना देख रही होगी?
3. यदि कभी आपने ऐसी कल्पना की है तो उसके बारे में बताइए।

छात्रों के लिए सूचनाएँ:

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।



“वो इधर से निकला

उधर चला गया ”

वो आँखें फैलाकर

बतला रहा था -

“हाँ बाबा, बाघ आया उस रात,

आप रात को बाहर न निकलो!

जाने कब बाघ फिर से आ जाए!”

“हाँ, वो ही.ी.ी ! वो ही जो

उस झरने के पास रहता है

वहाँ अपन दिन के वक्त

गए थे न एक रोज़?

बाबा, उधर ही तो रहता है

बाबा, उसके दो बच्चे हैं

बाधिन सारा दिन पहरा देती है

बाघ या तो सोता है

या बच्चों से खेलता है...”

दूसरा बालक बोला -

“बाघ कहीं काम नहीं करता

न किसी दफ़्तर में

न कॉलेज में..”

छोटू बोला -

“स्कूल में भी नहीं...

पाँच-साला बेटू ने

हमें फिर से आगाह किया

“अब रात को बाहर होकर

बाथरूम न जाना ”!

नागार्जुन





सुनिए-बोलिए

1. जब हम कविता के ज़रिए कोई बात कहते हैं तो आम तौर पर शब्दों के क्रम को बदल देते हैं। जैसे कविता का शीर्षक है “बाघ आया उस रात” गद्य शैली में वह “उस रात बाघ आया”। ऐसा क्यों किया जाता होगा?
2. इस कविता के लिए कोई दूसरा शीर्षक सुझाइए।
3. इस कविता में बताया गया है
बाघिन सारा दिन पहरा देती है
बाघ या तो सोता है
या बच्चों से खेलता है

इन पंक्तियों के आधार पर बताइए कि आपके घर में आपके माता-पिता या भाई-बहन क्या-क्या काम करते हैं?



पढ़िए

- I. जैसा हमारा परिवार वैसा ही बाघ का परिवार। कविता की किन-किन पंक्तियों के द्वारा आपको बाघ के परिवार का पता चलता है। लिखिए।
- II. इस किताब की दूसरी कविताएँ भी पढ़िए और शब्दों के क्रम में आए बदलाव पर गौर कीजिए।
जैसे - वहाँ अपन दिन के वक्त गए थे न एक रोज़
इस वाक्य को गद्य में इस प्रकार लिख सकते हैं।
एक दिन हम वहाँ दिन के समय गए थे न।
ऐसे ही चार वाक्यों की सूची बनाइए।
- III. कविता पढ़िए और लिखिए कि काम तथा पढ़ाई से संबंधित स्थान का बोध किन पंक्तियों से होता है।
- IV. कविता पढ़कर लिखिए।
 1. वो आँखें फैलाकर क्या बतला रहा था?
 2. बाघिन सारा दिन क्या काम करती है?



लिखिए

1. जंगल का राजा बाघ या दूसरे जीवों का शिकार मना है। फिर भी चोरी छिपे इन बाघों को मारा जा रहा है। इनको बचाने के लिए आप क्या कोशिश करेंगे? लिखिए।
2. बाघ या जंगली जानवर पड़ोस के गाँवों में कभी-कभी आते हैं। ऐसा क्यों होता है?
3. उस रात को और क्या-क्या हुआ होगा? अपने साथियों से बातचीत करके लिखिए।



शब्द भंडार

1. नीचे दिये गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान और अर्थ में परिवर्तन न करते हुए शब्द बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।

उदा : वो उधर से निकला।

वह उधर से निकला।

(अ) “वहाँ अपन दिन के वक्त गए थे न एक रोज़।”

(आ) “पाँच साला बेटू ने हमें फिर से आगाह किया”

2. पाँच साला बेटू ने हमें फिर से आगाह किया।

‘आगाह किया’ का मतलब क्या हो सकता है?

● सचेत किया

● बताया

● मनोरंजन किया

● समझाया

3. नीचे दिए गए शब्दों के लिए पर्याय शब्द बक्से में से चुनकर लिखिए।

(अ) आँख

नेत्र

रात्रि

(आ) रात

दिवस

काल

(इ) वक्त

वासर

नयन

(ई) दिन

निशा

समय





सृजनात्मक अभिव्यक्ति

एक दिन आपके गाँव / मुहल्ले में अचानक बाघ आ जाता है। इस घटना के बारे में एक 'समाचार' लिखिए।



प्रशंसा

दूरदर्शन पर एनिमल प्लानेट, डिस्कवरी चैनल या नेशनल जियोग्राफिक चैनल पर समुद्री जीव-जंतुओं पर प्रसारित किये जाने वाले कार्यक्रमों के महत्व के बारे में लिखिए।



भाषा की बात

1. वो आँखें फैलाकर बतला रहा था।

उपर्युक्त वाक्य में “आँखें फैलाना” मुहावरे का प्रयोग हुआ है। नीचे आँख से संबंधित कुछ मुहावरे दिये गये हैं। इनके अर्थ बताइए और वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

- आँख लगना ● आँख दिखाना
- आँख मूँदना ● आँख बचाना
- आँखें भर जाना ● सिर आँखों पर बैठाना

2. दिये गये उदाहरण को ध्यान से पढ़िए ।

उदा: बाघ - बाधिन

नीचे दी गई वर्ग पहेली में से अक्षरों को जोड़कर ऐसी ही अन्य जोड़ियाँ बनाइए-

बै	ल	कु	ति	या	चू
गा	बा	त्ता	घ	हा	हा
य	ऊँ	चु	हि	या	थी
ऊँ	ट	नी	न	बे	घ
घो	ड़ा	ह	थि	नी	मो
ड़ी	ज	मो	र	नी	र



परियोजना कार्य

जंगल में रहने वाले जानवरों से संबंधित चित्र इकट्ठा कीजिए। उनकी विशेषता बताइए और एक चित्रात्मक पुस्तक तैयार कीजिए।



क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के साथ सुना सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं की भाव सहित व्याख्या कर सकता/सकती हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता/सकती हूँ।		

वन्य जीवों की सुरक्षा कीजिए।

